NTI Bulletin 2004,40/3&4, 87

# FIELD REPORT OF MY OBSERVATION IN THE ARTI STUDY

***Pushpa Patnaik*[1]**

I have been fortunate to be associated with Annual Risk of Tuberculous Infection (ARTI) survey team from the beginning stage. I am grateful to DANTB for having sent me to NTI Bangalore for training along with nine others. The training method was very good. All of us were made to think and feel as if we were scientific workers. They taught us on all important aspects on TB. We were given careful and methodical training in Tuberculin Testing and Reading. We were also briefed about the forthcoming survey and how to work in the field. There were three phases in the training and assessment for inter-reader and intra-reader variation was done. We were told to improve certain mistakes so that our performance can be improved. When field work of the survey began in Mayurbhanj district from 6 May 2002, I was made in-charge of team-2 as team leader. I was involved in testing and reading whenever occasion arose. Being a Team leader of Team-2, I had the administrative responsibility and in addition, I had the freedom to work in all areas of field work.

I have worked along with the team in the 53 clusters in Mayurbhanj district between 6.5.02 to 23.7.02. We have also covered 30 clusters in Sundargarh district between 2nd August to 11th September 02

In the beginning my understanding was very little. As the work progressed, my understanding broadened and I began to focus on different aspects of work. For example, I have followed both the testing and reading teams out of my own interest and began to watch tuberculin sensitivity pattern among children in the community. If a child showed a reaction of 15mm and above, we had to question the elders on the status of health and history of contact with a case of TB. Having watched several children with a strong reactions of 15mm and above by discussion with parents or guardians about the child's physical condition and history of contact with a TB patient, there was definitely some relationship. I began to understand that tuberculin testing, if given properly as we do in the study, strong reactions show-up only among children infected with *tubercle bacilli*. In other words if a child is infected, there may be cases of tuberculosis in the family or neighborhood. Working in the survey was a great learning experience to me.

[1] Member of ARI Survey team of Orissa, under DANTB Project conducted in 2003

एन टी आई बुलेटिन 2004, 40/3 एवं 4, 86

# ए आर टी आई अध्ययन में मेरे प्रेक्षणों की क्षेत्र रिपोर्ट

*पुष्पा पटनायक* [1]

प्रारंभिक अवस्था से ही ए आर टी आई सर्वेक्षण टीम के साथ जुडा रहना मेरा सौभाग्य है । अन्य नौ लोगों के साथ एन टी आई में प्रशिक्षण के लिए भेजे जाने पर मैं डी ए एन टी बी के प्रति आभारी हूँ । प्रशिक्षण पद्धति अति उत्तम थी । हम सभी को यह सोचने एवं अनुभव करने पर मजबूर किया गया कि हम वैज्ञानिक कार्यकर्ता हैं । उन्होंने हमें क्षय रोग की सभी महत्वपूर्ण पहलुओं पर प्रशिक्षण दिया । हमें ट्यूबरकुलिन परीक्षण एवं पठन पर सावधानीपूर्वक तथा क्रमबद्ध प्रशिक्षण दिया गया । हमें आगामी सर्वेक्षण एवं क्षेत्र में कैसे काम करना है, इसके बारे में भी संक्षेप में बताया गया । प्रशिक्षण के तीन चरण थे तथा पाठकों के बीच एवं पाठकों मे विचरण के लिए मूल्यांकन किया गया । हमें कुछ गलतियों को सुधारने के लिए कहा गया ताकि हमारा निष्पादन सुधर सके । जब मयूरभंज जिले में मई 6, 2002 को क्षेत्र कार्य प्रारंभ हुआ तो मुझे टीम लीडर के तौर पर टीम-2 का प्रभारी बनाया गया । जब कभी आवश्यक हुआ, मैं परीक्षण एवं पठन का कार्य करती थी । टीम-2 के टीम नेता होने के कारण मुझ पर प्रशासनिक जिम्मेदारी थी और साथ ही, क्षेत्र कार्य के सभी क्षेत्रों में काम करने की मुझे स्वतंत्रता भी थी

मैने 6.5.02 से 23.7.02 तक मयूरभंज जिले में टीम के साथ 53 समूहों में काम किया है । हमने 2.8.02 से 11.9.02 तक सुंदरगढ़ जिले में 30 समूहों में भी काम किया है ।

प्रारंभ में मेरी समझ बहुत कम थी । जैसे कार्य चलता गया, मेरी समझ विस्तृत होती गई और मैं कार्य की विभिन्न पहलुओं पर ध्यान केंद्रित करने लगी । उदाहरणार्थ, मैंने अपनी रुचि से ही दोनों परीक्षण एवं पठन टीमों का अनुसरण कर समुदाय में बच्चों के बीच ट्यूबरकुलिन सुग्राहिता पैटर्न की निगरानी करने लगी । अगर किसी बच्चे ने 15 मि.मी तथा ऊपर के लिए प्रतिक्रिया जताई, तो हमें बडों से क्षय रोगी के साथ सम्पर्क का इतिहास एवं स्वास्थ्य की स्थिति जाननी पडती । कई बच्चों के 15 मि. मी और अधिक के लिए तीव्र प्रतिक्रिया देखते हुए तथा माता पिता अथवा पोषकों से बच्चे की शारीरिक स्थिति एवं क्षय रोगी के साथ सम्पर्क के इतिहास के बारे में चर्चा से ज्ञात हुआ कि निश्चित रूप से कुछ संबंध है । मै समझने लगी कि ट्यूबरकुलिन परीक्षण, अगर ठीक से दिया गया जैसे हम अध्ययन में देते हैं, तो ट्यूबरकल बेसिली से संक्रमित बच्चों में ही तीव्र प्रतिक्रियाएँ दिखाई पडती हैं । दूसरे शब्दों में अगर बच्चा संक्रमित है, तो क्षय रोग की संभावनाएँ या तो परिवार में हो सकती है अथवा पडोस में । सर्वेक्षण में किया गया काम मेरे लिए महत्तर शिक्षण अनुभव था ।

[1] डी ए एन टी बी परियोजना के अंतर्गत 2003 में उड़ीसा की ए आर आई सर्वेक्षण टीम के सदस्य